

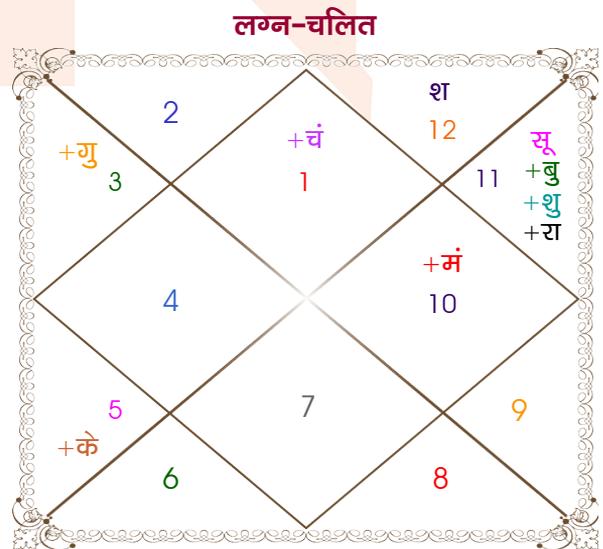
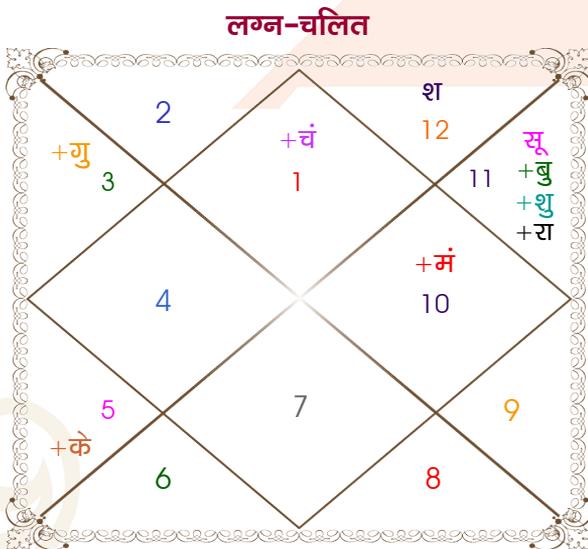


Model: Web-FreeMatching

Order No: 121363304

पुल्लिंग :	लिंग	स्त्रीलिंग
23/02/2026 :	जन्म तिथि	23/02/2026
सोमवार :	दिन	सोमवार
घंटे 09:29:00 :	जन्म समय	09:29:00 घंटे
घटी 06:30:47 :	जन्म समय(घटी)	06:30:47 घटी
India :	देश	India
Delhi :	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर :	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व :	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08 :	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:52:41 :	सूर्योदय	06:52:41
18:16:43 :	सूर्यास्त	18:16:43
24:13:27 :	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:27

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 6वर्ष 3मा 2दि	03:45:36	मेष	लग्न	मेष	03:45:36	शुक्र 6वर्ष 3मा 2दि
शुक्र	10:19:01	कुंभ	सूर्य	कुंभ	10:19:01	शुक्र
23/02/2026	22:29:43	मेष	चंद्र	मेष	22:29:43	23/02/2026
27/05/2032	29:55:22	मक	मंगल	मक	29:55:22	27/05/2032
00/00/0000	27:32:46	कुंभ	बुध	कुंभ	27:32:46	00/00/0000
00/00/0000	21:16:45	मिथु व	गुरु व	मिथु	21:16:45	00/00/0000
00/00/0000	21:42:38	कुंभ	शुक्र	कुंभ	21:42:38	00/00/0000
00/00/0000	06:48:46	मीन	शनि	मीन	06:48:46	00/00/0000
00/00/0000	14:45:19	कुंभ	राहु	कुंभ	14:45:19	00/00/0000
23/02/2026	14:45:19	सिंह	केतु	सिंह	14:45:19	23/02/2026
शनि	27/05/2028	03:23:46	वृष	वृष	03:23:46	शनि
बुध	28/03/2031	06:36:48	मीन	मीन	06:36:48	बुध
केतु	27/05/2032	10:08:49	मक	मक	10:08:49	केतु
			प्लूटो			27/05/2032



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	गज	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।
Ms. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।
Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।